

प्रेषक,

विनोद फोनिया,
सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,
डेरी विकास विभाग,
मंगलपड़ाव, हल्द्वानी (नैनीताल)।

पशुपालन अनुभाग-2

देहरादून: दिनांक 14 फरवरी, 2011

विषय- वित्तीय वर्ष 2010-11 के लिए डेरी विकास विभाग की राज्य सेक्टर में आयोजनागत योजनाओं की स्वीकृति के संबंध में।

महोदय,

उपरोक्त विषयक अपने पत्र संख्या-1785-89/लेखा-प्रस्ताव आयो0सामान्य/2010-11, दिनांक 13-10-2010 के संदर्भ में एवं शासनादेश संख्या-542/XXVII(1)/2010, दिनांक 04-10-2010 के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि महिला डेरी विकास परियोजनायें स्टेप योजना अन्तर्गत स्टेप फेज-16 में 10 प्रतिशत राज्यांश की धनराशि ₹ 7.80 लाख एवं यू0ए0-01 हरिद्वार में ₹ 7.71 लाख अर्थात् कुल धनराशि ₹ 15.51 लाख (पन्द्रह लाख इक्यावन हजार मात्र) की धनराशि निम्न शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन डेरी विभाग के निर्वहन पर रखते हुए इसे आहरण कर व्यय किये जाने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान की जाती है :-

1. अवमुक्त की जा रही धनराशि को निदेशक, डेरी विभाग द्वारा जनपदवार फॉट कर सम्बन्धितों एवं शासन को अवगत कराया जायेगा।
2. स्वीकृत धनराशि का आहरण एवं वितरण आवश्यकतानुसार किया जाय।
3. इस संबंध में यह स्पष्ट किया जाता है कि अतिरिक्त अनुदान की प्रत्याशा में अनाधिकृत एवं अधिक व्यय न किया जाय।
4. उक्त स्वीकृति इस शर्त के अधीन है कि उक्त धनराशि केवल चालू एवं अनुमोदित कार्य/मदों पर ही व्यय किया जाय तथा किसी ऐसे कार्य/मद पर धनराशि व्यय न की जाय जो योजना में स्वीकृत नहीं है।
5. स्वीकृत धनराशि का उपयोग निश्चित रूप से उन्हीं मदों पर किया जाय, जिसके लिए स्वीकृति दी जा रही है। यदि इसका उपयोग अन्यत्र अथवा किसी अन्य मद से किया जाता है तो सम्बन्धित अधिकारी इसके लिए व्यक्तिगत रूप से जिम्मेदार होंगे तथा अप्राधिकृत व्यय की वसूली की जायेगी।
6. उक्त धनराशि का योजनावार व्यय विवरण प्रत्येक माह की अगली माह 05 तारीख तक बी0एम0-13 पर नियमित रूप से वित्त विभाग/टैक्निकल सेल वन एवं ग्राम्य विकास शाखा, उत्तराखण्ड शासन तथा महालेखाकार को भिजवाना सुनिश्चित करें।

7. उक्त व्यय शासन के वर्तमान सुसंगत आदेशों/निर्देशों के अनुसार किया जायेगा तथा यह सुनिश्चित किया जाय कि उक्त धनराशि किसी ऐसे कार्य/मद पर व्यय न किया जाय जिसके लिए वित्तीय हस्त पुस्तिका तथा बजट मैनुअल के अन्तर्गत शासन द्वारा समय-समय पर मितव्ययता सम्बन्धित जारी आदेशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।

2-इस संबंध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2010-11 के प्रथम अनुपूरक के आय-व्ययक के अनुदान संख्या-28 के अन्तर्गत लेखा शीर्षक 2404-डेरी विकास-00-102-डेरी विकास परियोजनायें-91-जिला योजना-01-महिला डेरी विकास परियोजनायें-42-अन्य व्यय के नामे डाला जायेगा।

3-यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या-356(P)/XXVII(4)/10, दिनांक 10 फरवरी, 2011 द्वारा प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

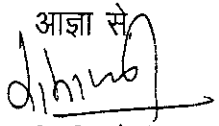
भवदीय,
/

(विनोद फोनिया)
सचिव।

संख्या-161 /XV-2/1(14)/2006तददिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. महालेखाकार, ओबराय मोटर्स बिल्डिंग, सहारनपुर रोड़, देहरादून, उत्तराखण्ड।
2. मण्डलायुक्त, कुमाऊँ/गढ़वाल, उत्तराखण्ड।
3. जिलाधिकारी, उधमसिंहनगर/अल्मोड़ा/नैनीताल/हरिद्वार, उत्तराखण्ड।
4. कोषाधिकारी, हल्द्वानी/नैनीताल/हरिद्वार, उत्तराखण्ड।
5. स्टाफ ऑफिसर-प्रमुख सचिव एवं आयुक्त, वन एवं ग्राम्य विकास विभाग को अवगत कराने हेतु।
6. निजी सचिव-मंत्री, डेरी विभाग को मा0 मंत्री जी को अवगत कराने हेतु।
7. वित्त अनुभाग-4/नियोजन विभाग, उत्तराखण्ड शासन।
8. निदेशक, बजट राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय, सचिवालय परिसर, देहरादून।
9. निदेशक एन0आई0सी0, उत्तराखण्ड।
10. गार्ड फाईल।

आज्ञा से

(जी0बी0ओली)
संयुक्त सचिव।